सफलता की कहानी कृषक की जुबानी

नाम कृषक– ज्ञानेन्द्र पाल सिंह
पिता का नाम– श्री महेन्द्र पाल सिंह
गॉव– शंकरपुर हकूमतपुर, पोस्ट– रामपुर कला
जिला– देहरादून

मैं ज्ञानेन्द्र पाल सिंह निवासी ग्राम शंकरपुर हकूमतपुर जिला देहरादून उत्तराखण्ड का कृषक हूँ। मेरे द्वारा वर्ष 1999 में पुष्प उत्पादन व सब्जी उत्पादन किया जा रहा है। वर्ष 1998 से पूर्व में जे0पी0 रीवा सीमेन्ट व इन्डोरामा सिन्थैटिक्स में कार्य करता था। प्रारम्भ में मेरे द्वारा पुष्प व सब्जी उत्पादन का कार्य खुले खेतों में किया जाता है। वर्ष 2004 में मैनें अपनी स्व0 माता जी के नाम से राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड द्वारा 1600 वर्ग मीटर का पाली हाउस का निर्माण कराकर सब्जी उत्पादन (रंगीन शिमला मिर्च) को प्रारम्भ किया। इसके पश्चात् वर्ष 2006 में मेरे द्वारा हार्टिकल्चर टैक्नोलॉजी मिशन के अन्तर्गत 1000 वर्गमीटर का पाली हाउस पुष्प उत्पादन हेतु प्राप्त किया। लेकिन पुष्प उत्पादन की अपेक्षा सब्जी उत्पादन में अधिक सम्भावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए मेरे द्वारा सब्जी उत्पादन का कार्य प्रारम्भ किया गया। वर्ष 2008 में विभाग द्वारा हार्टिकल्चर टैक्नोलॉजी मिशन के अन्तर्गत परिवार के अन्य सदस्यों के नाम पर 2000 वर्गमीटर का पॉलीहाउस सब्जी उत्पादन हेतु दिया गया। वर्ष 2009 तक मेरे द्वारा पाली हाउसों में कारनेशन पुष्प उत्पादन किया जा था। वर्ष 2009 में आयुक्त बागवानी भारत सरकार डा0 गोरख सिंह ने मेरे यहां निरीक्षण किया तथा मेरे यहां लगी हुई टमाटर व रंगीन शिमला मिर्च की फसल को देखकर मुझे सब्जी उत्पादन हेतु प्रेरित किया व मेरा मनोबल बढ़ाया। उसके पश्चात् मेरे द्वारा सब्जी उत्पादन का कार्य प्रारम्भ किया गया। वर्तमान में मेरे द्वारा पार्थनोकार्पिक खीरे का उत्पादन 3000 वर्गमीटर में किया जा रहा है तथा 1000 वर्गमीटर के पाली हाउस में रंगीन शिमला मिर्च का उत्पादन किया जा रहा है। वर्तमान में हॉर्टिकल्चर टैक्नोलॉजी मिशन द्वारा पूर्व में दिये गये 3000 वर्गमीटर में सब्जी उत्पादन से पूरे वर्ष में अनुमानित 40–45 लाख की आय प्राप्त कर रहा हूँ। हॉर्टिकल्चर टैक्नोलॉजी मिशन के अन्तर्गत 4000 वर्गमीटर की अधिकतम सीमा तय किये जाने के पश्चात् मेरे द्वारा 3000 वर्गमीटर पालीहाउस बनाने हेतु आवेदन किया गया है। हॉर्टिकल्चर टैक्नोलॉजी मिशन के अन्तर्गत प्राप्त होने वाली पालीहाउस में लीलियम व खीरा का उत्पादन किया जायेगा। इसके पश्चात् मेरी वार्षिक आय अनुमानित 1 करोड़ रूपये सालाना हो जायेगी। जिसका श्रेय आयुक्त बागवानी व प्रदेश में हॉर्टिकल्चर टैक्नोलॉजी मिशन का कार्य देख रहे अधिकारियों व कर्मचारियों को जायेगा। वर्तमान में हॉर्टिकल्चर टैक्नोलॉजी मिशन की तरह किसानों का झुकान होने का सबसे बड़ा कारण अधिकारियों व कर्मचारियों की सरल व निष्पक्ष प्रक्रिया का होना है।

ज्ञानेन्द्र पाल सिंह
पुत्र श्री महेन्द्र पाल सिंह
ग्राम शंकरपुर हकूमतपुर, पोस्ट– रामपुर कला
जिला देहरादून